राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (रा.त.अ.कें)

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (पृ.वि.मं.) ने तटीय क्षेत्रों के संरक्षण और प्रबंधन के लिए, १९९७ में "एकीकृत तटीय और समुद्री क्षेत्र प्रबंधन–परियोजना निदेशालय" की स्थापना की। दो दशकों से ईस कार्यालय के वैज्ञानिकों ने भारत की विशाल तटरेखा की खोज, तटीय जल की गुणवत्ता की निगरानी और विभिन्न तटीय आवासों में पारिस्थितिकी तंत्र की प्रक्रिया को समझकर तटीय विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मानव गतिविधियों और जलवायु परिवर्तन से तटीय पारिस्थि. तिकी तंत्र में बढ़ते खतरों को देखते हुए, पृ.वि.मं., ने तटीय अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया। तदनुसार, ए.त.स.क्षे.प्रदृप.नि., के दायरे और जनादेश को राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (रा.त.अ.कें.) के रूप में कार्य करने के लिए बढ़ाया गया।

आज, तटीय विज्ञान के पांच प्रमुख क्षेत्रों में अनुसंधान और २५ से अधिक शीर्ष संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के साथ, रा.त.अ.कें., तटीय क्षेत्र लोगों के सामने आने वाले मुद्दों को संबोधित करने, पर्यावरणीय चुनौतियों का वैज्ञानिक समाधान खोजने और, तटीय पारिस्थितिकी तंत्र के सतत प्रबंधन के लिए एक प्रमुख केंद्र है।

रा.त.अ.कें., के कुछ अनुकरणीय योगदान हैं, दीर्घकालिक तटीय निगरानी और पूर्वानुमान, समुद्री प्रदूषण प्रवाल भित्तियों की बहाली, पारिस्थितिकी तंत्र मॉडलिंग, शहरी बाढ़ चेतावनी प्रणाली, मछुआरा समुदायों के लिए मोबाइल ऐप (कदल चंगेयी, थुंडिल और स्वच्छ तट), कल्पसर परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और सुनामी और तटरेखा कटाव मानचित्र हैं.

सत्यमेव जयते

रा.त.अ.कें

हिन्दी वैज्ञानिक संगोष्ठी

पृथ्वी विज्ञान

१९ दिसंबर २०२२

कार्यक्रम

पृथ्वी विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (पृविमं) संस्थानों के वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुति

मुख्य अतिथि

प्रोफेसर डॉ अब्दुस समाद
समुद्री इंजीनियरिंग विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
मद्रास (आईआईटी)

पैनल के प्रमुख
डॉ. गोपाल अय्यंगार, वैज्ञानिक–जी, पृविमं

पैनेलिस्ट
1 डॉ.पी. राधिका, कुलपति, द भ हि प्र स
2 डॉ.एस पी कार्तिकेयन, र सू के, चेन्नई
3 श्री मनोज अबुसरिया, पृविमं

आयोजक समिति
श्री वेंकटरामा शर्मा, अध्यक्ष, एन.सी.सी.आर
डॉ. शिशिरकुमार दास, सदस्य, एन.सी.सी.आर
डॉ. उमाशंकर पांडा, सदस्य, एन.सी.सी.आर
डॉ. रवीन्द्र कुमार साहू, सदस्य, एन.सी.सी.आर

तमिलनाडु – पर्यटक स्थल

मरीना बीच : यह भारत का सबसे लंबा और दुनिया का दूसरा सबसे लंबा समुद्र तट है। यह मुख्य रूप से लगभग १२ किलोमीटर का रेतीला दक्षिण में बसंत नगर से उत्तर में फोर्ट सेंट जॉर्ज तक फैला हुआ है।

कपालेश्वर मंदिर : चेन्नई के मायलापुर में स्थित भगवान शिव को समर्पित एक हिंदू मंदिर है

सैंथोम चर्च : एक महत्वपूर्ण धार्मिक मंदिर रहा है और दुनिया के उन तीन चर्चों में से एक है जो प्रेरितों की कब्रों पर बनाए गए हैं।

थाउजेंड लाइट्स मस्जिद : चेन्नई में अन्ना सलाई में एक बहु–गुंबददार मस्जिद है

दक्षिणचित्र : दक्षिण भारत की कला, वास्तुकला, जीवन शैली, शिल्प और प्रदर्शन कला का एक सांस्कृतिक संग्रहालय।

महाबलीपुरम : चेन्नई शहर से ४५ मिनट दूर, महाबलीपुरम का ऐतिहासिक शहर है। ७ वीं शताब्दी का पूर्ववर्ती बंदरगाह शहर अपने रॉक–कट किनारे के मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है।

पुडुचेरी : अपनी विरासत फ्रेंच विला, समुद्र तटों और आध्यात्मिक केंद्रों के लिए प्रसिद्ध है

खरीदारी : टी. नगर, सोकारपेट (पैरीज कॉर्नर), और फीनिक्स मॉल

यात्रा जानकारी
चेन्नई हवाई अड्डा : एनआईओटी परिसर से 11 कि.मी